वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 182 | शुक्रवार 28 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उमेश मिश्रा राजस्थान पुलिस के नए मुखिया

प्रदेश के 35 वें डीजीपी होंगे उमेश मिश्रा, 3 तारीख को संभालेंगे चार्ज, देर रात राज्य सरकार ने जारी किया आदेश

जयपुर. कासं। राजस्थान के अगले डीजीपी के नाम पर राज्य सरकार ने मोहर लगा दी है। डीजी इंटेलीजेंस उमेश मिश्रा होंगे राजस्थान के अगले डीजीपी। उमेश मिश्रा राजस्थान के 35 वें डीजीपी होंगे। राज्य सरकार ने गुरूवार रात साढे 11 बजे आदेश जारी कर यह जानकारी दी। वर्तमान डीजीपी एमएल लाठर 3 नवम्बर को रिटायर होंगे जिसके बाद उमेश मिश्रा डीजीपी बनेंगे। भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष 1989 बैच के अधिकारी

उमेश मिश्रा को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक,पुलिस पदक मिल चुका है। नए डीजीपी उमेश मिश्रा ने राजस्थान पुलिस ने सबसे पहले 1992 से 94 में एएसपी रामगंज के पद पर कार्य किया। जिसके बाद मिश्रा ने चूरू, भरतपुर,पाली, कोटा सिटी में जिला पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्य किया।1999 से 2005 तक मिश्रा असिस्टेंड डायरेक्टर आईबी दिल्ली में पदस्थापित रहे। 2005 से 2007 तक डीआईजी एसीबी के पद पर कार्य किया। वर्ष 2007 में आईजी एटीएस के पद पर भी कार्य किया। वर्ष 2009 में आईजी विजिलेंस के पद पर भी मिश्रा रहे। दोबारा आईजी बनने के बाद मिश्रा ने एसीबी ज्यॉइन किया। वर्ष 2011 और 12 में आईजी जोधपुर के पद पर भी काम कर चुके हैं। वर्ष 2014 में एडीजी एटीएस के पद पर काम किया। वर्ष 2014-15 में मिश्रा को एडीजी एसडीआरएफ के पद पर भी लगाया गया। वर्ष 2015-16 में मिश्रा को एडीजी सिविल राइट्स में लगाया गया। वर्ष 2016 से 19 तक मिश्रा एटीएस-एसओजी में एडीजी के पद पर रहे।2019 से मिश्रा अब तक निरंतर एडीजी-डीजी इंजेलीजेंस के पद पर काम कर रहे हैं।

भाजपा के 14 जिलाध्यक्षों ने की इस्तीफे की पेशकश

भाजपा में बड़े बदलाव की तैयारी; मोर्चा-प्रकोष्ठ में पदाधिकारियों की होगी छुट्टी

जयपुर. कासं

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। भाजपा का प्रदेश नेतृत्व 14 जिलाध्यक्षों और कई मोर्चा-प्रकोष्ठों की छुट्टी कर सकता है। बताया जा रहा है कि जो जिलाध्यक्ष चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, उनमें से कई लोगों ने खुद पार्टी नेतृत्व को पद छोड़ने और किसी और को जिलाध्यक्ष का पद सौंपने की पेशकश की है। बीजेपी हाईकमान और प्रदेश नेतृत्व में इस पर चर्चा हो चुकी है। दरअसल, विधानसभा चुनाव-2023 और लोकसभा चुनाव-2024 तक प्रदेश में बीजेपी ऐसी टीम तैयार करना चाहती है, जो सक्रिय रहकर सिर्फ संगठन की जिम्मेदारी निभा सके। सूत्रों के मुताबिक ऐसे नेताओं और कार्यकर्ताओं की लिस्ट तैयार की जा रही है, जो विधानसभा या लोकसभा का चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं रखते हों। कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत पकड़ और पहचान हो। जो अगले दो साल तक चुनाव के दौरान पार्टी के लिए पूरा समय निकाल सकें। इस पर शुरूआती वर्क भी कर लिया गया है। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह से बात कर प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया जल्द ही जिलों से लेकर मोर्चा और प्रकोष्ठ तक संगठन में बदलाव करेंगे। इस कवायद में कई निष्क्रिय पदाधिकारियों की भी छुट्टी होगी। सूत्र बताते हैं कि बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व चाहता है कि राजस्थान में लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारी भी विधानसभा चुनाव तैयारियों के साथ-साथ जारी रखी जाए। पीएम मोदी और केंद्र सरकार की जन कल्याण की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करके और मोदी के चेहरे पर ही विधानसभा चुनाव लड़ा जाए।

15 प्रतिशत नए चेहरों को मिलेंगे पद

राजस्थान प्रदेश बीजेपी ने पार्टी संगठन में भी बड़े स्तर पर बदलाव की तैयारी की है। 15 प्रतिशत तक नए चेहरे संगठन में अलग-अलग मोर्चे, प्रकोष्ठ और प्रकल्पों के साथ ही जिलों की कार्यसमिति में लिए जाएंगे। निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी होगी। राजस्थान में मिशन-2023 की तैयारियों में बीजेपी अगले महीने नवंबर से ही जुट जाएगी। 17 दिसंबर को गहलोत सरकार के 4 साल पूरे हो रहे हैं। इससे पहले सभी संभागों में बूथ सम्मेलन और किसान सम्मेलन भी करने हैं।

राजस्थान में रात का तापमान 10 डिग्री तक पहुंचा :20 दिन पहले ठंड की एंट्री, हनुमानगढ़-सांगरिया में सबसे सर्द रात

जयपुर. कासं

राजस्थान में विंटर सीजन से 20 दिन पहले ही ठंड आ गई है। सुबह और रात के वक्त सर्दी की शुरूआत हो गई है। एक दिन पहले सीकर में रात का तापमान 10.5 डिग्री तक पहुंचने के बाद गुरुवार सुबह मौसम विभाग की रिपोर्ट में हनुमानगढ़ के संगरिया में न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। चित्तौड़गढ़ में 13.7 डिग्री टेम्प्रेचर रिकॉर्ड हुआ है। चूरू में 14.5, अलवर और करौली में 15.2 डिग्री,चित्तौड़गढ़ में 15.5, बारां के अंता में 15.7, उदयपुर के डबोक में 15.8 डिग्री सेल्सियस तक न्यूनतम तापमान लुढक गया है। राजस्थान में 15 नवम्बर के बाद ठंड की शुरूआत मानी जाती है। इस साल 26 अक्टूबर से ही प्रदेश की हवा में ठंडक घुलने लगी है। रात के टेम्प्रेचर में भी 1 से 5 डिग्री तक की गिरावट बीते 3 दिन में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में देखी गई है। सीकर और हनुमानगढ़ के संगरिया में 5 डिग्री, भीलवाड़ा में 2 डिग्री, वनस्थली में 2 डिग्री, कोटा में 2.1 डिग्री, जवाई बांध पाली में 2 डिग्री, जोधपुर के फलौदी में 4 डिग्री, श्रीगंगानगर में 2 डिग्री, चूरू में 1.8 डिग्री और बीकानेर में 1.6 डिग्री, जयपुर में 1.1 डिग्री, पिलानी झुंझुनूं में 1.1 डिग्री, जैसलमेर में 1.2 डिग्री तक न्यूनतम तापमान में गिरावट इस दौरान दर्ज की गई है।

आचार्य श्री तुलसी जी के 109 वें जन्मदिवस पर विशेष

जन-जन के प्रेरणास्त्रोत हैं आचार्य श्री तुलसी: मुनि कमल कुमार

शाबाश इंडिया

आचार्य श्री तुलसी का जन्म लाडनूं शहर के खटेड़ परिवार में हुआ । आपके पिताजी का नाम झूमरमलजी और माताजी का नाम वदना जी था आप अपने परिवार में सबसे छोटे थे । आपके बड़े पांचों भाई मोहनलालजी, खींवराजजी, मन्नालालजी, चम्पालालजी, सागरमलजी थे। तीन बहने थी लाडां मोरां मनोहरी बाई । परिवार के हर सदस्य में धार्मिक संस्कार थे । बड़े भाई चम्पालालजी आपसे एक वर्ष पूर्व चुरू में अष्टमाचार्य श्री कालूरामजी के कर कमलों से दीक्षित हुए थे । उनका जीवन भी सभी के लिए पठनीय और मननीय है। जब कालूगणी का लाडनूं आगमन हुआ तब आपके मन में दीक्षा के भाव जागृत हुए कालूगणी का प्रवचन श्रवण कर आप बाल्य अवस्था में विरक्त हो गये । आपके पिताजी का स्वर्गवास हो चुका था घर की सारी जिम्मेदारी बड़े भाई मोहनलालजी संभालते थे । आपकी बहन लाडांजी भी दीक्षा के लिए तैय्यार हो गई परन्तु मोहनलालजी के बिना दीक्षा की अनुमति कैसे मिले ? बिना अनुमति के दीक्षा कैसे हो ? आपकी वैराग्य भावना देखकर सब प्रसन्न थे। चंपालाल जी स्वामी विशेष प्रसन्न थे। स्वयं कालूगणी प्रसन्न थे। मोहनलाल जी से लोगों ने संपर्क किया मोहनलालजी देश आये परंतु तुलसी की दीक्षा के पक्ष में नहीं थे । तुलसी के तीव्र वैराग्य और संकल्प बल के कारण मोहनलाल जी ने दीक्षा की अनुमति

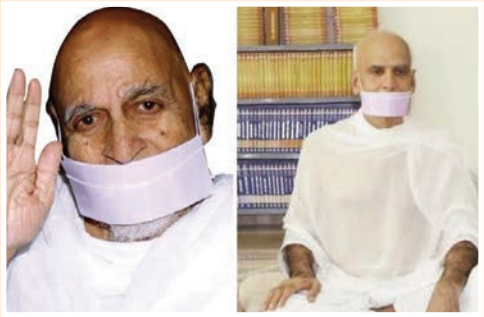

दे दी । लाडनूं में ही भाई-बहन की दीक्षा हो गई दीक्षा के तत्काल बाद गुरुदेव लाडनू से सुजानगढ़ पधार गये आपको दीक्षा के पश्चात प्रथम ग्रास (आहार) पूज्य कालूगणी के कर कमलों से सुजानगढ़ में ही प्राप्त हुआ। मुनि बनते ही आपने अध्ययन साधना का ऐसा क्रम बनाया की मात्र 16 वर्ष की अवस्था में आप एक कुशल अध्यापक बन गए नवदीक्षित साधुओं को अध्ययन कराना आरंभ कर दिया । आपका अनुशासन कौशल मुनि अवस्था से ही बेजोड़ था । पूज्यकालूगणी का आप पर विश्वास बढ़ता गया और मात्र 22 वर्ष की अवस्था में आप एक विशाल तेरापंथ धर्म संघ के आचार्य बन गये। आपने आचार्य बनते ही धर्मसंघ की उन्नति के जो कार्य किये वे अपने आप में अनुपम और अद्वितीय थे । साध्वियों का अध्ययन रूढ़ि उन्मूलन के लिए नई मोड़ का अभियान जन-जन के जागरण के लिए अणुव्रत आंदोलन श्रावक श्राविकाओं की सारसंभाल के लिए सुदूर प्रांतों की यात्रा आहार वस्त्र प्रचार के लिए उदारता से चिंत्तन युवक परिषद महिलामंडल किशोर मंडल कन्यामंडल ज्ञानशालाओं का व्यवस्थित निर्माण जिससे संघ के प्रत्येक सदस्य की उन्नति हो सके उपासक व समण श्रेणी का निर्माण जिससे साधु साध्वियों के अभाव में क्षेत्रों की सार संभाल हो सके। व्यवस्थित साहित्य जो आज सभी के लिए पठनीय संग्रहणीय है। पूरे जैन समाज में ही नहीं पूरे विश्व में कहे तो भी अतिशयोकित नहीं होगी कि तेरापंथ धर्म संघ का अनुशासन सबके लिए आदर्श है । जिस तेरापंथ को राजस्थान हरियाणा मालवा गुजरात महाराष्ट्र के लोग ही जानते थे आज वह विश्वविख्यात बना है इसमें आचार्य श्री तुलसी की दूरदर्शिता का ही सुपरिणाम कह सकते हैं । आप हर तरह से सक्षम होते हुए भी अपने आचार्य पद का विसर्जन कर अपने उत्तराधिकारी को आचार्य पद पर प्रतिष्ठित कर आज के इस पदलिप्सित योग को बोध दे दिया । आचार्य महाप्रज्ञजी हो या आचार्य श्री महाश्रमण जी हो यह सब आपकी पैनी दृष्टि का ही सारा चमत्कार है ।आज हम जहां कहीं भी पैदल भ्रमण करते हैं तब अपने गुरु की यशोकीर्तियां सुनते हैं तब मन बाग-बाग हो जाता है। ऐसे युगपुरुष युगप्रधान आचार्य श्री तुलसी के जन्म दिवस पर शत शत वंदन !

जीवन को उन्नत और सुखी बनाने का मार्ग दिखाते हैं अनुयोग: डॉ सुनील संचय

चार अनुयोग जिनवाणी के चार स्तंभ हैं। वस्तुत्व महाकाव्य अनूठी कृति। अंतरराष्ट्रीय श्रमण व विद्वत संगोष्ठी में प्रस्तुत किया शोधपत्र

ललितपुर. शाबाश इंडिया

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अध्यात्मयोगी आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 'वस्तुत्व महाकाव्य' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय श्रमण व विद्वत संगोष्ठी में नगर के जैनदर्शन के अध्येता डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर ने वस्तुत्व महाकाव्य में अनुयोग विषय पर अपना शोधालेख प्रस्तुत किया। संगोष्ठी संयोजक डॉ. जयकुमार जी मुजफ्फरनगर व डॉ नरेन्द्र जी टीकमगढ़ रहे। सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर कुसुम जी पटोरिया (नागपुर विश्वविद्यालय) ने की। सारस्वत अतिथि प्रोफेसर अशोक जैन वाराणसी प्रोफेसर काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी रहे, सत्र संचालन डॉ. जयकुमार मुजफ्फरनगर ने किया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रोफेसर ए डी एन बाजपेयी कुलपति अटल बिहारी बाजपेयी विश्विद्यालय बिलासपुर रहे।इस अवसर पर अपने शोध-पत्र को प्रस्तुत करते हुए कहा कि जैन दर्शन में अनुयोग का महत्वपूर्ण स्थान है, अनुयोग यानि जिनवाणी। शास्त्रों की कथन पद्धति को अनुयोग कहते हैं। जैनागम चार भागों में विभक्त है, जिन्हें चार अनुयोग कहते हैं - प्रथमानुयोग, करणानुयोग, चरणानुयोग और द्रव्यानुयोग। इन चारों में क्रम से कथाएँ व पुराण, कर्म सिद्धान्त व लोक विभाग, जीव का आचार-विचार और चेतनाचेतन द्रव्यों का स्वरूप व तत्त्वों का निर्देश है। इसके अतिरिक्त वस्तु का कथन करने में जिन अधिकारों की आवश्यकता होती है उन्हें अनुयोगद्वार कहते हैं। चार अनुयोग जिनवाणी के चार स्तंभ हैं।

जिनवाणी को माता कहा गया है। चारों अनुयोगों में से किसी भी अनुयोग के माध्यम से अपने दुःखों को दूर किया जा सकता है। अनुयोग जीवन को उन्नत और सुखी बनाने का मार्ग दिखाते हैं। वस्तुत्व महाकाव्य आचार्य श्री विशुध्द सागर जी महाराज की अनूठी कृति है। इस कृति में तत्व,न्याय, प्रमाण, दश धर्म, अनुयोग , स्याद्वाद, अनेकांत, कर्म सिद्धांत, योग, प्राणायाम, तंत्र, मंत्र, सज्जन-दुर्जन, हेय उपादेय, वास्तु, भूगोल, आयुर्वेद आदि सभी का एक हजार से अधिक पृष्ठों में वर्णन किया गया है। इस महाकाव्य में आत्मा से परमात्मा बनने का काव्यात्मक वृतांत है।

दूसरों को दुःख पहुंचाने पर हमारे जीवन में नहीं आ सकता सुखः समकितमुनिजी

आशीर्वाद लेने-देने के मौके का फायदा नहीं उठा पाए तो दुर्गति पक्की

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

हम जो स्वयं के लिए चाहते है या नहीं चाहते है वैसा ही सामने वाले के लिए भी सोचना चाहिए। हम स्वयं दुःखी व अपमानित नहीं होना चाहते है तो सामने वालों को भी हमे दुःखी व अपमानित नहीं करना है। हम सम्मान चाहते है तो दूसरों का भी सम्मान करना होगा। आशीर्वाद पाना है तो बॉयकाट करने से काम नहीं चलेगा। आशीर्वाद पाने के लिए आशीर्वाद देना भी होगा। ये विचार आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में गुरूवार को पंच दिवसीय प्रवचनमाला जुग-जुग जियो का आगाज करते हुए व्यक्त किया। इस प्रवचन माला के माध्यम से बताया जाएगा कि किस तरह आशीर्वाद व दुआएं प्राप्त करके जीवन को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिनशासन का सिद्धांत है कि सब प्राणी सुख चाहते है कोई दुःखी नहीं रहना चाहते है। दूसरों को दुःख देकर अपने हिस्से में दया नहीं आ सकती। आशीर्वाद लेना-देना सीख जाए तो जीवन कमाल का हो जाता है। आशीर्वाद लेने-देने के मौके का फायदा नहीं उठा पाए तो दुर्गति पक्की है। बददुआ की बीमारी का कोई इलाज नहीं है। मुनिश्री ने कहा कि हम जीवों की विराधना करते रहते है लेकिन मन में अपराधबोध तो आता नहीं है। दुःखी होने वाला जीव हमे दुआ नहीं दे पाएगा। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. एवं गायन कुशल जयवंतमुनिजी का भी सानिध्य मिला। कोपरगांव एवं जालना से आए अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ एवं चातुर्मास संयोजक नवरतनमल बम्ब ने किया। कोपरगांव संघ के अध्यक्ष प्रेम भंडारी ने वहां चातुर्मास करने की विनती पूज्य समकितमुनिजी म.सा. से की। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

बददुआ के शनि से खुद को बचाना होगा

पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि उपकारियों के प्रति कृतज्ञता भाव रखने पर वहां से आशीर्वाद आना शुरू होता है। जीव जिस समय दुःखी होता वह उस समय दुआ नहीं दे सकता है। जब तक हम दूसरों को अपने लिए परेशान करेंगे बददुआ मिलेगी। बददुआ के शनि की चपेट में आने पर बाहर के शनि के कितना भी तेल चढ़ा ले फायदा नहीं होगा। बददुआ के शनि से बचे, इसके घेरे रहने पर बाहर के शनि की आराधना काम नहीं आ सकती। आशीर्वाद के स्थान पर बॉयकाट करने से अशुभ आयु हिस्से में आएगी।

जीव का लक्ष्य होना चाहिए परस्पर सहयोग

समकितमुनिजी म.सा. ने कहा कि परस्पर सहयोग जीव का लक्ष्य होना चाहिए। मिट्टी के सहयोग के बिना बंगला नहीं बन सकता। कभी ये नहीं सोचना चाहिए कि बंगला मैने बनाया है। स्थावरकाय जीव सहयोग देने के बाद भी अहसान नहीं जताते है। इंसान थोड़ा सा सहयोग करने पर भी जिंदगी भर अहसान जताता है। हमे इन बेजुबान प्राणियों से सीख लेना चाहिए कि अहसान जताए बिना कैसे कार्य कर सकते है। पृथ्वीकाय जीवों के प्रति भी थोड़ा अहोभाव रखना चाहिए।

शांतिभवन से होगा अंबेश भवन के लिए विहार

धर्मसभा में अंबेश भवन वर्धमान कॉलोनी के मंत्री चंचल पीपाड़ा ने पूज्य समकितमुनिजी से 9 नवम्बर को चातुर्मास पूर्ण कर शांतिभवन से विहार करने पर अंबेश भवन पधारने की विनती प्रस्तुत की। इसके बाद समकितमुनिजी ने 9 नवम्बर को सुखे समाधे शांतिभवन से विहार कर अंबेश भवन पधारने की स्वीकृति प्रदान की। शांतिभवन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने बताया कि चातुर्मास के अंतिम दिवस 8 नवम्बर को लोकाशाह जयंति मनाई जाएगी। आगम ज्ञाता, प्रज्ञा महर्षि डॉ समकित मुनि जी म. सा. आदि ठाणा 3 के शांति भवन में ऐतिहासिक चातुर्मास सम्पूर्ण होने के पश्चात प्रथम विहार 9 नवम्बर को प्रातः 8:15 बजे शांति भवन से प्रस्थान कर अम्बेश भवन, वर्धमान कोलोनी के लिए होंगा। इसके बाद 10 नवम्बर को चंद्रशेखर आजाद नगर, 11 नवम्बर को श्याम विहार कॉलोनी एवं 12 व 13 नवम्बर को यश सिद्ध स्वाध्याय भवन, सांगानेर रोड़ में प्रवास रहे।

सकल दिगंबर जैन समाज की रथयात्रा महोत्सव शुक्रवार को

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में मनाये जाने वाला पर्व श्री पार्श्वनाथ भगवान रथयात्रा महोत्सव पिड़ावा की धर्म मय नगरी में शुक्रवार को निकाली जाएगी। रथयात्रा अनादिकाल से निकाली जा रही है। राजस्थान प्रांत की वीर प्रस्वनी धरा पर सुदूर दक्षिण पूर्व में स्थित मालवा अंचल से जुड़ी झालावाड़ जिले की धर्ममय नागरी पिड़ावा में शताब्दियों से चली आ रही है रथयात्रा परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी देवाधिदेव श्री पार्श्वनाथ भगवान की भव्य रथ यात्रा 108 श्री भूतबलि सागर, मुनि सागर ,मोन सागर, मुक्ति सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में निकलेगी। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि झालावाड़ जिले के पिड़ावा में जैन समाज के 400 घर की सबसे बड़ी समाज है। इसके बाद आगर जिले के सुसनेर में सबसे ज्यादा 200 घर की जैन समाज के है। पिड़ावा नगर में जैन समाज के 6 मन्दिर है। नगर में कई मुनि राजो ने चातुर्मास किये है। यहां से 5 किलोमीटर दूरी पर कोटड़ी में भी जिनेंद्र भगवान का मन्दिर है और यहां से 6 किलोमीटर दूर पर श्री भक्तामर विश्वधाम डोला जी का भव्य मंदिर है। यहां नगर में कई मुनि महाराजो ने चातुर्मास किये और संतों का आहार विहार भी होता रहता है।श्री ब्रह्मानंद सागर महाराज ने पिड़ावा नगर में 8 चातुर्मास किए और उनकी समाधि भी पिड़ावा में हुई और इनकी पावन प्रेरणा से वर्ष 2002 से रथयात्रा को हाथों से खिंचने की प्रेरणा ब्रम्हानंद सागर महाराज जी से मिली। भव्य रथयात्रा शेर मौहल्ला से होती हुई। ब्रह्मानंद नसिया सूरजकुंड नयापुरा पहुंचेगी। जहां पर महाराज जी की दिव्य देशना प्रवचन होंगे। प्रवचन के बाद सभी का वात्सल्य भोज होगा।

भव्य रथयात्रा का प्रमुख आकर्षण

बडनगर म. प्र. का भारत बैंड, भजन गायक अभिनन्दन प्रेमी के मधुर भजन, राष्ट्रीय कवि डॉ.अनिल जैन उपहार का काव्यपाठ के साथ संचालन, श्री सांवलिया दिव्य घोष व सुंदर मनमोहक रंगोली द्वारा सजाया जाएगा व हेलीकाप्टर द्वारा पुष्प वर्षा, जिनवाणी ग्रुप, सिद्धा महिला मंडल, महिला मंडल, ब्रह्मानंद ग्रुप, भूतबलि सागर युवा वर्ग द्वारा भक्ति की जाएगी।

वेद ज्ञान

वाणी अनमोल उपहार

वाणी एक अनमोल उपहार है। जन्म-जन्मांतरों के पुण्यफल से वाणी की शुद्धता की दुर्लभ शक्ति भाग्यवान मनुष्यों को प्राप्त होती है। सदवाणी मनुष्य के इस दुर्लभ जीवन को धन्य कर देती है और दुर्वाणी इस जीवन को सदा-सदा के लिए कलंकित कर देती है। मनुष्य को वाणी ईश्वर ने केवल वैचारिक आदान-प्रदान के ही लिए नहीं दी है, बल्कि इसलिए भी दी है कि वह इससे स्वयं और उसके संपर्क में आने वाले व्यक्ति का कल्याण ही न करे, बल्कि जीवन के प्रति उसकी दृष्टि भी बदल दे। उसी वाणी का प्रयोग कर एक भिखारी भीख मांगता है, उसी का उपयोग कर एक अज्ञानी व्यक्ति डांट व फटकार खाकर जीवन से दुखी व उसके प्रति क्रोधित हो जाता है, जबकि उसी वाणी का प्रयोग व उच्चारण कर एक भक्त मंत्रसृष्टा बनकर अपने आराध्य का सानिध्य प्राप्त करने में सक्षम हो जाता है। एक वाणी का उपयोग कर दुख पाता है, जबकि दूसरा इसके उपयोग से दूसरों के दुख दूर करने में सहायक हो जाता है। हमारी वाणी से निकले शब्दों अथवा भाव संबंधी अभिव्यक्तियों को कोई क्षण भर के लिए भी याद नहीं रखना चाहता है, लेकिन नानक, कबीर, रैदास अथवा मीरा की सैकड़ों साल पहले कही गई वाणी को मिटाने, झुठलाने और भुलाने का साहस हममें आज भी नहीं हो सका है। आखिर इसका क्या कारण है? वस्तुतः वाक अर्थात वाणी एक प्रकार की दुर्लभ साधना है, लेकिन यह जीवन के लिए साधना बने या अभिशाप, यह निर्भर करता है इसके प्रयोक्ता पर। पवित्रता के व्रत को धारण करने वाले श्रेष्ठ मानव के मुख से निकला हुआ एक-एक शब्द जीव, जीवन व लोक के कल्याण में रामबाण औषधि का कार्य करता है। शब्द अथवा वाणी का सदुपयोग शक्ति, कल्याण व सकारात्मकता को जन्म देता है, जबकि इसका दुरुपयोग पीड़ा, पश्चाताप, आत्मग्लानि व जीवन में कुंठा, तनाव और ग्रंथि को पनपाता है जो शारीरिक व मानसिक कई प्रकार की व्याधियों का कारण बनता है। हम प्रयास करें कि वाणी का सदुपयोग इस रूप में किया जाए जो देश, गांव व समाज में जीवन-मूल्यों, आदर्शों व सद्संकल्पों की स्थापना में सहायक हो, यह देवत्व का पर्याय बने।

संपादकीय

नफरत फैलाने वाले...

हालांकि कई मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने पहले भी संबंधित राज्यों की पुलिस को इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, मगर उसका कोई असर नजर नहीं आया। इसलिए अब उसने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि प्रशासन इस मामले में सख्ती से काम करे, नहीं तो वह अवमानना के लिए तैयार रहे। अदालत ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड पुलिस को इस बाबत नोटिस भी भेजा है कि उन्होंने नफरती भाषण देने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की। इन्हीं तीनों राज्यों में सबसे अधिक नफरती भाषण दिए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि संविधान में एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की परिकल्पना की गई है और नफरत फैलाने वाले बयानों और भाषणों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। दरअसल, हाल ही में

दिल्ली की एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने अल्पसंख्यक समुदाय को सबक सिखाने के लिए संपूर्ण बहिष्कार का आह्वान किया था, जिसे लेकर खासा विवाद पैदा हुआ। अदालत में ऐसे बयानों के जरिए मुसलिम समुदाय को निशाना बनाने और आतंकित करने के प्रयासों पर रोक लगाने संबंधी याचिका दायर की गई थी। उसी प्रसंग में अदालत ने ताजा आदेश दिया है। कुछ महीने पहले हरिद्वार और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में धर्म संसदों का आयोजन कर अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ घृणा भरे बयान दिए गए थे। हरिद्वार की धर्म संसद में तो यती नरसिंहानंद ने अल्पसंख्यकों के जनसंहार तक का आह्वान किया था। तब भी अदालत ने कड़ी चेतावनी दी थी, पुलिस को कार्रवाई करने को कहा था, मगर वे लोग बाज नहीं आए। इस तरह के बयानों से सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता है। एक समुदाय विशेष के प्रति समाज में नफरत का माहौल बनता है। मगर हैरानी की बात है कि राजनीतिक दल भी अपने नेताओं को अनुशासित नहीं करते। दिल्ली दंगों से पहले भी सार्वजनिक मंचों से इसी तरह 'गोली मारो' के नारे लगवाए गए थे। हालांकि नफरती भाषणों के लिए किसी एक दल या धर्म को दोषी नहीं करार दिया जा सकता। इसमें मुसलिम समुदाय की नुमाइंदगी करने वाले नेता भी पीछे नहीं हैं। उनमें से कइयों ने सार्वजनिक मंचों से जहरीले बयान दिए हैं। असदुद्दीन ओवैसी भी कम जहरीले बयान नहीं देते। हिजाब या फिर हिंदुत्ववादी नेताओं के भाषणों की प्रतिक्रिया में उनके बयान देखे जा सकते हैं। कई बार लगता है कि दोनों समुदाय के नेता धार्मिक विद्वेष फैलाना ही अपना कर्तव्य समझते हैं। विचित्र है कि इस मामले में संचार माध्यम भी पीछे नहीं हैं। कुछ टीवी चैनल न सिर्फ सांप्रदायिक विषयों पर बहसें आयोजित कर दोनों समुदायों के नेताओं को जहरीले बयान देने को उकसाते हैं, बल्कि उनके प्रस्तोता खुद भी बढ़-चढ़ कर ऐसे नफरती बयान देते नजर आते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मानवता का दुश्मन है युद्ध

रूस ने यूक्रेन को ऐसे हमलों के लिए तैयार रहने की धमकी भी दी थी। यूक्रेन भी आशंका जता रहा है कि रूस "**डर्टी बम**" का इस्तेमाल कर सकता है। दरअसल, करीब दो हफ्ते पहले यूक्रेन की ओर से किए गए एक बड़े हमले के जवाब में रूस जिस तरह यूक्रेन के शहरों को निशाना बना कर हमले कर रहा है, उससे भारी तबाही की आशंका गहरी होती गई है। इस सिलसिले में भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि किसी भी रूप में, किसी भी पक्ष द्वारा परमाणु हथियारों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ होगा। इस मसले का हल कूटनीति और आपसी बातचीत से ही निकालने का प्रयास किया जाना चाहिए। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने यह अपील अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु से बातचीत के दौरान की। यह बातचीत रूस की पहल पर ही आयोजित हुई थी। हालांकि कहना मुश्किल है कि रूस भारत की इस अपील को कितनी गंभीरता से लेगा। जब युद्ध शुरू हुआ तबसे लेकर अब तक भारत कई बार यह बात दोहरा चुका है, मगर दोनों में से किसी भी देश ने अपने रुख में लचीलापन लाने का प्रयास नहीं किया। भारतीय प्रधानमंत्री कई बार फोन पर दोनों देशों के नेताओं से बातचीत करके आपसी संवाद के जरिए समाधान निकालने की सलाह दे चुके हैं। समरकंद में शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात हुई तब भी उन्होंने यह बात कही थी। उस वक्त पुतिन ने उनकी सलाह पर अमल का भरोसा भी जताया था। मगर उसके कुछ दिन बाद ही रूस ने यूक्रेन पर भारी हमले शुरू कर दिए थे। रूस चाहता है कि यूक्रेन आत्मसमर्पण कर दे, मगर वह झुकने को तैयार नहीं। दरअसल, सोवियत संघ टूटने के बाद यूक्रेन ने रूस से अलग होकर स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान कायम की थी। अब वह यूरोपीय देशों के संगठन नाटो का सदस्य बन कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है। रूस को लगता है कि अगर यूक्रेन नाटो का सदस्य बन गया, तो यूरोपीय सेनाएं उसकी सरहद पर आ खड़ी होंगी। इसलिए उसने यूक्रेन पर यह सदस्यता न लेने का दबाव बनाया। यूक्रेन नहीं माना, तो रूस ने उस पर हमला कर दिया। हालांकि इस मसले को आपस में मिल-बैठ कर भी सुलझाया जा सकता था, मगर दोनों अपनी जिद पर अड़े हुए हैं और दुनिया तबाही देख रही है। अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा इसलिए बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। युद्ध में अक्सर ऐसे क्षण आते हैं, जब दुश्मन को घुटने टेकने को मजबूर करने की चाह में सत्ताधीश अपना विवेक खो देते हैं। इसीलिए हर कोई इस खतरे से आशंकित है। इस युद्ध को चलते लंबा वक्त हो गया। इसका असर पूरी दुनिया पर नजर आने लगा है। अब जरूरत है कि केवल सलाह देने के बजाय सभी देश मिल कर इसे रोकने के लिए बातचीत की पहल करें। कुछ ऐसे देशों की एक ऐसी समिति बने, जिन पर दोनों देशों को भरोसा हो। वे मिल कर बातचीत का सिलसिला चलाएं और तब तक दोनों देशों से युद्ध रोकने पर सहमति बनाई जाए।

पहले भेद विज्ञान होगा फिर केवल ज्ञान होगाः आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में चारों तरफ हरीतिमा और उस हरीतिमा के बीच भट्टरकजी की नसिया में विराजे भगवान ऋषभदेव और यहीं आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज की अपने संघ सहित चातुर्मास में समवशरण सिंहासन पर विराजमान होकर श्रावकों को उपदेश देकर बहुत ही उज्जवल साधना कर रहे हैं है। प्रातः को भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ , उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया ।पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे बांसवाड़ा पारसोला व सलूम्बर, डीबडा, नरवाली गीगला से आए सभी श्रावकों ने एवं अन्य बाहर से पधारे श्रावको ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया, मंगलाचरण ईशानी जैन मंदसौर ने किया व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि बांसवाड़ा सलूम्बर से पधारे श्रावको

ने गुरुवर से निवेदन करते हुये आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण कर भक्ति भाव से श्रद्धा सुमन अर्पित किये। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य श्री के चरण पखारे जयपुर के मनोज छाबड़ा वनिता जी छाबड़ा परिवार ने। पूज्य गुरुवर जी को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। राम कथा को सुनना और श्रवण करना मन को आनंद देता है उसी तरह से प्रभु वीर की कथा को आचार्य भगवंत के श्री मुख से सुनकर संपूर्ण समाज के लोग आनंद मगन हो गए। पूज्य गुरु माता आर्यिका 105 श्री आसध्य मति माताजी ने उपदेश देते हुए कहा बिना चाबी के ताला नहीं खुलता है ।उस पर कितने ही हथोड़ा पत्थर मारो टूटेगा पर खुलेगा नहीं। वैसे ही सांसे ऊपर जाती हैं तो पुद्गल यहीं रह जाता है पर गुरु चरणों में आने से चेतना का बंद ताला खुल जाता है। गुरु के दिल के ताले खुल गए तो समझ लो हमारे सब ताले खुल जाएंगे।

पूज्य आचार्य भगवन उपदिष्ट हुए...

कौन कहता है कि
जो चाहो नहीं मिलता है।
कोशिश करो तो पानी
से भी दिया जलता है।

पहले भेद विज्ञान होगा फिर केवल ज्ञान होगा। पूरे लोक को तो सिर्फ तीर्थंकर भगवान का ज्ञान ही प्रकाशमान करेगा। महाराज जी और मुनिराज का काम तो मौन रखना है ,बोलना नहीं है। यह आपका और हमारा संसर्ग है कि हमें बोलना है। सौभाग्य दस्तक दे रहा है पर तुम तो दरवाजा भी नहीं खोल रहे हो ,पुण्य तो आने को तैयार है, मुनिराज को चलते फिरते रत्नत्रय हैं ,जहां इनकाआगमन होता है वहां अपूर्व महिमा हो जाती है ,यह तो मोक्ष मार्ग के यात्री हैं ।ये तो चलते चलते यहां आ गए हैं। हम सभी जीव हैं चेतन हमारा स्वभाव है कर्म के आस्त्रव बन्ध से बचें तो जरूर हमारा कल्याण होगा। आचार्य भगवंत के वचन एक दूसरे आचार्य काटते नहीं हैं ।चेतन चेतना हमारा ज्ञान धन है जो पुद्गल आदि के साथ है वे अचेतन हैं जो दान दर्शन स्वभाव वाला है वह जीव है जो ज्ञान दर्शन स्वभाव वाला नहीं है वह अजीव है। संबोधन कभी भी रंग का नहीं होता ,देह का नहीं होता संबोधन से अगर आपमें तत्व की रूचि हो जाएगी तो कल्याण हो जाएगा, गुरुदेव के वचन तो आत्मा को संबोधित करने वाले होते हैं ।गणधर की गद्दी पर बैठ कर भी अगर बोलने का क्रम ठीक नहीं है तो गणधर की गद्दी पर बैठने की क्या प्रयुक्तता है। हमें तो आत्मा का फूल बनाना है लोक में छह द्रव्य है जहां नहीं है वह अलोक है। जिनवाणी हमें बताती है क्या करना है कैसे करना है किस तरह से व्यवहार करना है यह ठीक हो जाए तो आप भी सिद्धत्व को प्राप्त कर सकते हैं।

आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज के सानिध्य में भट्टारक जी की नशियां मे भक्तामर पाठ का आयोजन आज 28अक्टूबर को

वर्षायोग समिति एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान मे होगा आयोजन। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री सुनील सागर जी वर्षायोग समिति एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान मे दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा आचार्य श्री सुनील सागर जी के सानिध्य मे भट्टारक जी की नशियां मे आज शुक्रवार 28 अक्टूबर को 48 दीपक से 48 मण्डल पर भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन सायकाल 6 बजे से भव्य समारोह के अंतर्गत संगीत व भक्ति के साथ किया जायेगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या व महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि यह कार्यक्रम रीजन द्वारा प्रत्येक माह विभिन्न ग्रुपो के से किया जा रहा हैं। इस माह सन्मति ग्रुप के सौजन्य से आचार्य श्री सुनील सागर जी वर्षायोग समिति के सहयोग से किया जायेगा। सयोंजक राजेश पाटनी व मनीष लोग्या ने बताया कि कार्यक्रम मे चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर्ता शांति कुमार- ममता सोगानी जापान वाले होंगे। जिनवाणी विराजमान कर्ता श्रीमती बुलबुल कवर धर्मपत्नी स्वर्गीय नेमिचंद गंगवाल, राजेश - जैना, राकेश - रोशनी गंगवाल तथा मुख्य मंडल दीप प्रज्वलन कर्ता श्रीमती प्रकाश देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री ब्रजमोहन जैन, विनोद - शशि जैन तिजारिया होंगे। सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका व सचिव अनिल - प्रेमा रावका ने बताया कि कार्यक्रम मे प्रसिद्ध गायक पंडित विकर्ष जैन सलेहा सतना मध्य प्रदेश निवासी तथा अशोक गंगवाल, श्रीमती मंजू ठोलियां व श्रीमती समता गोदिका द्वारा संगीत व भक्ति से भव्यता के साथ होगा। समारोह का शाबाश इण्डिया यूट्यूब चैनल व फेसबूक पर लाईव प्रसारण किया जायेगा। समारोह को सफल बनाने हेतु शहर की अनेक संस्थाये अपना पूर्ण सहयोग दे रही। सभी के लिए सायकाल के भोजन की भी कार्यक्रम स्थल पर निशुल्क व्यवस्था की गई है।

दिवाली पर जरूरतमन्द को वितरित किये : उपहार

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिवाली के अवसर पर टीम एजुलिक्स की ओर से दिया गया मिट्टी के दीपक से अपने घरों को रोशन करने का संदेश सभी की ओर से मिट्टी के दीपकों का वितरण किया गया। संस्था के संचालक अरविंद सैनी ने बताया की इस दिवाली हमारी ओर से 300 पैकेट्स बनाए गए थे। जिन्हे हमारी टीम की ओर से असमर्थ परिवारों को वितरित किया गया। इन पैकेट्स में पटाखे,उपहार, मिठाई और कई जरूरत की चीजे उपलब्ध कराई गई।

गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के 53वें अवतरण दिवस पर पदमपुरा में होंगे तीन दिवसीय आयोजन

30 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक होंगे आयोजन। रविवार,30 अक्टूबर को होगा मुख्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रशान्तमूर्ति आचार्य शांतिसागर महाराज छाणी परम्परा के पंचम पट्टाधीश, परम पूज्य सिंहरथ प्रवर्तक,त्रिलोकतीर्थ प्रणेता आचार्य विद्याभूषण सन्मति सागर महाराज एवं षष्ट पट्टाधीश सराकोद्धारक आचार्य ज्ञानसागर महाराज की परम-प्रभावक शिष्या भारत गौरव, स्वस्तिधाम प्रणेता परम-विदूषी लेखिका युग प्रवर्तिका गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी का 53 वां अवतरण दिवस (जन्म जयंती) समारोह तीन दिवसीय आयोजन के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा प्रबंधकारिणी कमेटी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी चातुर्मास व्यवस्था समिति के तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय आयोजन में जयपुर सहित पूरे देश से जैन धर्मावलंबी बड़ी संख्या में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा बाड़ा पहुंचेंगे। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि रविवार,30 अक्टूबर को प्रातः 8.30 बजे से शुभकामना परिवार का राष्ट्रीय अधिवेशन होगा। चातुर्मास कमेटी के मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि इसी दिन दोपहर 12.15 बजे से झांझरी सभागार में माताजी का 53 वां अवतरण दिवस मनाया जाएगा । इस मौके पर चातुर्मास निष्ठापन समारोह तथा पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। समारोह के अन्तर्गत स्वस्ति मंगल कलश का लक्की ड्रा निकाला जाएगा। आयोजन में चित्र अनावरण,दीप प्रज्जवलन के बाद 53 परिवारों द्वारा माताजी का पाद पक्षालन तथा 53 परिवारों द्वारा शास्त्र भेंट किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम,गुणानुवाद के बाद माताजी के मंगल प्रवचन होंगे। समन्वयक चेतन जैन निमोडिया एवं संयुक्त मंत्री दीपक बिलाला ने बताया कि कार्यक्रम के लिए जयपुर महानगर के सभी मंदिरों सहित, चाकसू, कोटखावदा, चंदलाई, निमोडिया, शिवदासपुरा आदि स्थानों से श्रद्धालुओं के लिए बसें लगाई जाएगी। कार्यक्रम के समापन पर सामूहिक वात्सल्य सहभोज होगा। स्वागताध्यक्ष महेश काला एवं कार्याध्यक्ष अशोक जैन नेता ने बताया कि सोमवार,31 अक्टूबर को माताजी द्वारा रचित श्री पद्मप्रभ शान्ति विधान का संगीतमय आयोजन किया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रदीप जैन एवं मंत्री सुनील बख्शी के अनुसार मंगलवार,01 नवम्बर को प्रातः गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगो को ट्राई साईकिल वितरण किया जाएगा। तत्पश्चात चातुर्मास मंगल कलशों का पुण्यार्जक परिवारों को वितरण किया जायेगा।अन्त में सम्मान समारोह के बाद तीन दिवसीय आयोजन का समापन होगा।

खुशियों वाली दीवाली

जयपुर. शाबाश इंडिया। हर बार की तरह इस बार भी पहचान संस्था द्वारा दीवाली पर जरूरतमंद लोगों को खुशियां पहुंचाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा नये कपडे, मिठाई का डिब्बा, राशन सामग्री, दिये, बच्चों के लिए चॉकलेट, खिलौने, टीशर्ट आदि एकत्रित कर गुर्जर की थडी, गोपालपुरा बाईपास, रिद्धि सिद्धि चौराहा, वीटी रोड पर स्थित कच्ची बस्तियों मे वितरित किये गये ।करीब 100 परिवारों में यह सामग्री दीवाली पर वितरित की गई।इस अवसर पर संस्था के मनोज जैन, पुनीत अजमेरा, जयप्रकाश शर्मा, कौशल, वैभव कोचर, अभिषेक पारीक, रिषभ जैन, अर्पणा जैन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताबर श्री संघ ने साध्वी जी गुणरंजना श्री जी मा .सा .की प्रेरणा से जीव दया के तहत प्रदान की सहयोग राशि

रामगंजमडी. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ जैन श्वेतामबर श्रीसंघ ने आज साध्वी जी गुणरंजना श्री जी मा.सा.की प्रेरणा से जीव दया के तहत सहयोग राशि प्रदान की गई। इस योजना के तहत रामगंजमंडी की गोशाला, नालोंदिया गोशाला,ओर श्री शान्तिनाथ दिगंबर जैन समाज द्वारा संचालित श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन औषधालय मे सहयोग देते हुए।प्रत्येक स्थान को 11 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। ओर तीनो संस्थाओं के अच्छे कार्य के लिए जैन समाज की तरफ से सम्मान किया गया। इस अवसर पर नालोदिया गोशाला से मदनलाल गुप्ता,शान्तिनाथ दिगम्बर जैन औषधालय से चेतन बागड़िया, संजय विनायका व रोसली गोशाला से जोनी शर्मा मोजूद रहे। वही इस अनुकरणीय कार्य की शान्तिनाथ दिगम्बर जैन समाज व औषधालय समिति ने अनुमोदना की। इसके साथ ही श्रीसंघ द्वारा केकडी मे चल रही गोशाला मे भी 21 हजार की सहयोग राशी प्रदान की गई।

अभिषेक जैन लुहाडीया रामगंजमडी की रिपॉर्ट

नन्हें मुन्नों संग बड़े भाई की सुख समृद्धि की कामना कर बहिनों ने भाल पर टीका और आरती कर मनाया भाई दूज पर्व

उदयपुर. शाबाश इंडिया

भाई बहिन के स्नेह और विश्वास का पर्व भाई दूज या यम द्वितीया गुरूवार को भी अपूर्व उत्साह से मनाया गया। गौरतलब है कि कल यानी बुधवार दोपहर से द्वितीया तिथि लगने से शहर सहित आसपास क्षेत्र में कई लोगों ने कल ही भाई दूज पर्व मना लिया। हालांकि तब टीके का शुभ मुहूर्त केवल दो घंटा अवधि ही रहा।ऐसे में अगले दिन यानी आज गुरूवार दोपहर 12.45 बजे द्वितीया रहने तक और कहीं तो बाद में भी बहिनों ने भाइयों को अपने घर न्यौता देकर माथे तिलक लगाकर, आरती उतार कर और भोजन कराया। भाइयों ने भी यथा शक्ति उपहार देकर बहिनों के स्वस्थ तथा दीर्घ आयु की कामना की। ऐसा कहा जाता है कि आज के दिन श्री यमुनाजी ने अपने भाई यम को तिलक कर भोजन कराया और सुभद्रा बहन ने आज के दिन प्रभु श्रीकृष्ण व बलराम को तिलक किया था। भारतीय संस्कृति में भाई आज के दिन बहिन के घर जाते हैं और बहन उन्हें तिलक कर भोजन कराती है। ऐसी मान्यता है कि इस प्रकार रीती करने से भाई सुख-समृद्धिशाली बनता है व बहन को भी मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। बता दें, दिवाली पर पांच दिवसीय दीपोत्सव आज इस पर्व के साथ संपन्न हो गया। रिपोर्ट एवं फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइलः 9829050939

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन समारोह

अमन जैन कोटखावदा.शाबाश इंडिया

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 54 एवं 55 के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज वैशाली नगर में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन कर एक- दूजे को दीपावली एवं भैया दूज की बधाई दी। पार्षद प्रत्याशी उत्तम यादव एवं मोहित जैन और वरिष्ठ युवा कांग्रेस कार्यकर्ता रणजीत सोनी के नेतृत्व में आयोजित समारोह में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य अशोक शर्मा; खादी ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य राजकुमार शर्मा; जयपुर जिला देहात कांग्रेस के वरिष्ठ महासचिव सुरेंद्र गुप्ता सहित दोनों वार्ड के सैकड़ों कार्यकर्ता ने सहभोज का आनंद उठाया स्नेह मिलन समारोह में कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी अनिल शर्मा, कृष्ण यादव सहित राजस्थान युवा ब्राह्मण सभा के प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा , पृथ्वीराज नगर संघर्ष समिति के अध्यक्ष एडवोकेट घनश्याम सिंह, श्रीनिवास गुप्ता , बी एल चौधरी, मदन लाल शर्मा, सुरेश चतुर्वेदी, मुकेश यादव, संदीप कुमार मित्तल आदि वरिष्ठ कांग्रेस जन मौजूद रहे ।